चैट जीपीटी : तकनीकी विद्या का आधुनिक जीवन में प्रभाव

डॉ.स्नेहवीर सिंह,

सहायक आचार्य

राजनीति विज्ञान विभाग

दिगम्बर जैन कॉलेज, बडौत ,बागपत,

snehveer.pundir@gmail.com

सारांश:

तकनीकी के विकास ने हमारे देश में क्रांतिकारी परिवर्तन किये हैं। बहुत से अध्ययन इस ओर इशारा कर रहे हैं कि 5जी तकनीक, एआई आधारित सॉफ्टवेयर, वर्चुअल रियलिटी आदि के आने से वैश्विक स्तर पर अधिक कार्य कम मेहनत में और अच्छे से सम्पन्न किया जा सकेगा। चैटबॉट का उद्भव भी तकनीक की ही देन है, जिसे ओपन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा विकसित किया गया है। एआई इस वर्ष के प्रारंभ से ही चर्चा का विषय बना हुआ है, विशेष रूप से ओपन एआई का चैटबॉट चैटजीपीटी, जिसे अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है (प्रांजल, एस. 2023)। चैटजीपीटी एक सार्वजनिक उपकरण है जो ओपन एआई द्वारा विकसित किया गया है। और यह जीपीटी भाषा माडल प्रौद्योगिकी पर आधारित है(किरमानी 2022) । चैट जनरेटिव प्री-ट्रेन ट्रांसफार्मर अर्थात चैटजीपीटी 30 नवंबर 2022 को लॉन्च किया गया था। चैटजीपीटी इंटरनेट टेक्नोलॉजी की दुनिया का एक एडवांस ओपन एआई सॉफ्टवेयर है, जो गूगल सर्च इंजन की ही तरह काम करता है। विशेषज्ञों की राय में जिस कार्य को पूरा करने में गूगल सर्च पर घंटों लगाता है, उसे चैटजीपीटी कुछ ही मिनट या सेकंडों में कर देता है। प्रस्तुत शोध चैटजीपीटी से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाओं की चर्चा करता है एवं चैटजीपीटी का हमारे दैनिक जीवन पर प्रभाव का अध्ययन करता है। साथ ही चैटजीपीटी के सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की जाती है। साथ ही अध्ययन में चैटजीपीटी के लाभ और हानियों का भी विश्लेषण किया गया, जिनमें साइबर सुरक्षा, ग्राहक सहायता, शिक्षा, सॉफ्टवेयर विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और रोजगार पर विशेष विचारों को शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु : चैटजीपीटी, चैटबॉट, ए.आई., सूचना प्रौद्योगिकी, इंटरनेट, टेक्नोलॉजी

प्रस्तावना -

क्या आपने कभी चैटबॉट के साथ संवाद किया है, जिसके जवाब अप्रत्याशित रूप से मानवीय लगें? या आपने कभी किसी भाषा अनुवाद में किसी तकनीकी यंत्र (टूल) का प्रयोग किया है, जो मुश्किल शब्दों का सरलता से अनुवाद कर देता हो? अगर आपने कभी ऐसा किया है तो आपने चैटजीपीटी की ताकत का अनुभव किया होगा। यह एक ऐसी क्रांतिकारी

तकनीक है जो मानव के जीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर रही है। लेकिन तकनीक की हर नई छलांग उत्साह के साथ चिंता भी लाती है। चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है। चैट जेनरेटिव प्री-ट्रेन ट्रांसफार्मर यानी ChatGPT, जिसे ओपन ए.आई. ने 30 नवंबर, 2022 को इंटरनेट टेक्नोलॉजी की दुनिया में लॉन्च किया था। जनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफार्मर (GPT) एक भाषा मॉडल है, जिसे ओपन एआई ने विकसित किया है। और यह मानवीय भाषा से अप्रत्याशित प्रतिक्रिया एवं पाठ उत्पन्न करने में सक्षम होता है (डेल, 2021)। चैटजीपीटी एक एडवांस ओपन एआई सॉफ्टवेयर है, जो गूगल सर्च इंजन की तरह काम करता है, जो टेक्स्ट फॉर्मेट में हमसे बातें करता है। चैटजीपीटी अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में काम करता है(हिंदीपूर्णी,2023)। चैटजीपीटी को लेकर किए गए ग्लोबल सर्वे में पाया गया है कि आने वाले समय में यह चैटबॉट गूगल और दूसरे सर्च इंजन की प्रासंगिकता खत्म कर देगा। हिंदुस्तान समाचार पत्र में आई एक खबर के अनुसार, चैटजीपीटी के लॉन्च होने के दो महीने बाद ही इसके यूजर्स की संख्या 10 करोड़ पहुंच गई है(हिंदुस्तान, 4 फरवरी,2023)। यूबीएस के विश्लेशकों ने बताया कि आने वाले दिनों में यह संख्या और तेजी से बढ़ेगी। संसार टावर के मुताबिक 10 करोड़ यूजर्स तक पहुंचने में टिकटॉक को ग्लोबल लॉन्च में 9 महीने और इंस्टाग्राम को ढाई साल का समय लगा था। रिपोर्ट के अनुसर चैटजीपीटी के वायरल लॉन्च से ओपन एआई को अन्य एआई कंपनियों की तुलना में बढ़त मिलेगी। कंपनी ने 2 फरवरी को शुरू में केवल अमेरिका में यूजर्स के लिए 20-डॉलर में मासिक सदस्यता की घोषणा की थी(हिंदुस्तान, 4 फरवरी, 2023)। लेकिन हाल की एनालिटिक्स फार्म सिमिलरबेब की रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल और वेब वर्जन पर चैटजीपीटी का ट्रैफिक जून में वैश्विक स्तर पर कम हुआ है। रिपोर्ट की माने तो एआई चैटबॉट ने वेबसाइट के मासिक टैरिफ और यूनिक विजिटर्स में इतनी गिरावट देखी है। रिपोर्ट के अनुसर, चैटजीपीटी की साईट पर जून में वैश्विक टैरिफ 9.7% गिर गया है। ओपन एआई ने मई में चैटजीपीटी का आईओएस संस्करण लॉन्च किया गया था, इसे वैश्विक स्तर पर 17 मिलियन बार डाउनलोड किया गया है। सिमिलरबेब के अनुसार, चैटजीपीटी साइट अभी भी बिंग.कॉम, माइक्रोसॉफ्ट के सर्च इंजन की तुलना में अधिक विज़िटर्स को आकर्षित करती है। ओपन एआई के एआई चैटबॉट पर 1.5 मिलियन मासिक विज़िटर हैं। और यह विश्वस्तर पर शीर्ष 20 वेबसाइटों में से एक है (हिन्दुस्तान लाइव, 10 जुलाई, 2023)।

ChatGPT से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाएं हैं :

1. चैटबॉट: चैटबॉट एक कंप्यूटर प्रोग्राम होता है जो मानव-मशीन संवाद अनुरूपता के लिए डिज़ाइन किया जाता है। ChatGPT एक उन्नत चैटबॉट है, जो विभिन्न भाषाओं में संवाद कर सकता है।

2. जीपीटी: GPT (Generative Pre-trained Transformer) एक प्रकार का भाषा मॉडल है, जिसमें आधारभूत शब्दावली, वाक्य संरचना और भाषा के पैटर्न को सीखने के लिए व्यास पीठ प्रशिक्षण किया जाता है। ChatGPT GPT के आधार पर विकसित हुआ है।

3. पूर्व-प्रशिक्षित ट्रांसफॉर्मर: पूर्व-प्रशिक्षित ट्रांसफॉर्मर (Pre-trained Transformer) एक भाषा प्रसंस्करण मॉडल है, जिसमें बहुत सारे मापदंडों के साथ बहुत सारे डेटा से प्रशिक्षण दिया जाता है। यह एक प्रदान करने वाला मॉडल होता है

जिसे अनुभागों में विभाजित किया जा सकता है। और विभिन्न भाषा कार्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है, जैसे कि पाठ उत्पन्न करना, प्रश्नों का उत्तर देना आदि।

4. भाषा प्रसंस्करण: भाषा प्रसंस्करण भाषा संबंधी टेक्स्ट को समझने, संरचित करने और उस पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया है। ChatGPT भाषा प्रसंस्करण का उपयोग करता है ताकि यह प्रश्नों का उत्तर दे सके और उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद कर सके।

5. प्रशिक्षण डेटा: प्रशिक्षण डेटा उन सामग्रियों का संग्रह है जिससे मॉडल को प्रशिक्षित किया जाता है। ChatGPT के लिए भी प्रशिक्षण डेटा का उपयोग किया जाता है ताकि यह उचित और सुगमता से जवाब प्रदान कर सके।

शोध के उद्देश्य (उद्देश्य)

1.ChatGPT के सकारात्मक पहलुओं का अध्ययन/ लाभ

2.ChatGPT के नकारात्मक पहलुओं का अध्ययन/ हानि

3. चैटजीपीटी की सीमाओं का अध्ययन

शोध प्रविधि:-

इस अध्ययन के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान विधि का उपयोग किया गया है। यह अध्ययन एक शोध समीक्षा है, जिसका आधार पूरी तरह से द्वितीय डाटा है। समीक्षा के लिए उपयोग किए गए द्वितीयक आंकड़ों के स्रोत हैं, (i) पत्रिकाएँ, (ii) वैज्ञानिक लेख, (iii) कंपनी की वेबसाइटें, (iii) समाचार रिपोर्टें (iv) शोधपत्र (v) केस स्टडी और अन्य शैक्षणिक प्रकाशन

चैटजीपीटी के सकारात्मक पहलू -

अब वो दौर आ गया है जब लोग अपने दिमाग से ज्यादा दूसरों के दिमाग पर भरोसा कर रहे हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के अनुसर 2033 तक कईं घरेलू काम एआई के द्वारा स्वचालित हो जाएंगे, जिससे घर के कामों में लगने वाला समय 39% तक कम हो जाएगा। 2025 तक 95% उपभोक्ता संवाद एआई द्वारा संचालित होगा (हिंदुस्तान, 9 जुलाई, 2023) । वहीं चैटजीपीटी का भी भविष्य रोचक और संभावनाओं से भरा है।

अकादमिक कार्यों में यह एक अत्यंत प्रगतिशील चैटबॉट है जो विभिन्न प्रकार के पाठ-आधारित अनुरोधों को पूरा करने की क्षमता रखता है, जैसे कि सरल सवालों का उत्तर देना और धन्यवाद पत्र उत्पन्न करना और लोगों को कठिन चर्चाओं में मदद करना जैसे उनके कार्यक्षमता संबंधी मुद्दों को समझाना (Liu et al., 2021) । विभिन्न क्षेत्रों में जैसे कि साहित्यिक भाषा, ग्राहक सेवा, पाठ्य सामग्री(content development) में ChatGPT का इस्तेमाल किया जा चुका है Dinesh,K et al.,2023)। शोधकर्ता ने अपने शोध में ChatGPT के अकादमिक कार्यों,, साइबर सुरक्षा, ग्राहक सहायता, सॉफ़्टवेयर विकास, रोजगार और सूचना प्रौद्योगिकी पर प्रभाव का भी अध्ययन किया है, साथ ही शोधकर्ताओं और

विद्वानों के लिए संभावित अनुप्रयोगों का भी विचार किया गया है। ChatGPT ने शिक्षा क्षेत्र में भी दबे पाँव प्रवेश कर लिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण तेजी से आगे बढ़ रहे क्षेत्र हैं, जिनका व्यापक प्रभाव विभिन्न उद्योगों और अनुप्रयोगों पर हो रहा है।(वाम्बा एट अल., 2021)। चैट जीपीटी के शिक्षा जगत पर पडने वाले प्रभाव पर शिक्षाविदों की दो राय हैं। कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि ये छात्रों के लिए सीखने और इंटरैक्टिव लर्निंग का बड़ा प्लेटफॉर्म है, जो शिक्षा जगत में क्रांति ला सकता है। आई.आई.टी. दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. डॉ. रामगोपाल दास के अनुसार, हर नई तकनीक शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाती है। औद्योगिक क्रांतियों की तरह ही शैक्षिक क्षेत्र में भी नई तकनीक हमेशा की तरह आज भी शानदार प्रतिमान स्थापित कर रही है (मानसी,एम2023) । जबकी कुछ शिक्षाविदों का मानना है कि इसके प्रयोग से छात्रों के रचनात्मक दृष्टिकोण में कमी आएगी।

ChatGPT ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। जहां इसका उपयोग साइबर हमलों का पता लगाने और रोकने के लिए किया जा सकता है। भाषा मॉडल, ईमेल में उपयोग होने वाली भाषा का विश्लेषण करके, फिशिंग ईमेल की पहचान करने में मदद कर सकता है। जी न्यूइन और फर्जी ईमेल के बीच के अंतर को समझते हुए ChatGPT के माध्यम से मैलवेयर की पहचान में मदद मिल सकती है, जहां यह कोड में उपयोग होने वाली भाषा का विश्लेषण करके नकली कोड की पहचान कर सकता है।

इसके अलावा, ChatGPT का उपयोग सुरक्षित पासवर्ड बनाने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग ऐसे परस्पर संवादात्मक खेल और गतिविधियों को बनाने के लिए किया जा सकता है, जो छात्रों को मानसिक रूप से सक्रिय करते हैं। यह छात्रों के अध्ययन के साथ साथ उनकी प्रगति में व्यक्तिगत मार्गदर्शन और प्रतिक्रिया प्रदान करने वाले बुद्धिमान सहायक के रूप में मदद कर सकता है। ChatGPT स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बना सकता है , जिससे डॉक्टर्स और अन्य स्वास्थ्य सेवाप्रदाताओं को व्यक्तिगत सहायता प्रदान की जा सकती है। इसके अलावा, इसका उपयोग वर्चुअल एजेंट्स को विकसित करने के लिए किया जा सकता है, जो मरीजों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य, सलाह और समर्थन प्रदान कर सकें। यह सलाहकारों को अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी ग्राहक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाता है। जिसमें चैटबॉट्स और वर्चुअल सहायक का उपयोग डेटा संग्रह करने और इंगित प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। चैटबॉट्स सर्वेक्षण कर सकते हैं, प्रतिपुष्टि इकट्ठा कर सकते हैं, और सहायता प्रदान कर सकते हैं, जबकि वर्चुअल एसिस्टेंट्स नियमित कार्यों को स्वचालित कर सकते हैं और सलाह और सिफारिशें प्रदान कर सकते हैं। ChatGPT ने सलाहकारों को बड़े मात्रा में डेटा का विश्लेषण और व्याख्यान करने में अधिक तेज़ी और प्रभावी बनाया है।

<u>चैटजीपीटी के नकारात्मक पहलू</u>

जैसे हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, ऐसे ही चैटजीपीटी के भी दो पहलू होते हैं। वृक्ष जितना लंबा होता है, उसकी जड़ें भी धरती में उतनी ही अंदर तक फैली रहती हैं। मार्क्स ने द्वंदात्मकता के सिद्धान्त को जीवन का कठोर सत्य बताया था। चैटजीपीटी के लाभ भले ही हमें रोमांचक लगें, लेकिन इसके प्रयोग को लेकर इतनी ही अधिक चिंताएं भी जताई जा रही हैं। एक तरफ जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाज में एक नई क्रांति को जन्म दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ तकनीक के नकारात्मक पक्ष की तरफ भी ध्यान आकर्षित कर रहा है। तकनीक हमारी संवेदनाओं को भी अपनी गिरफ्त में ले

सकती हैं, हालांकि हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि चैटजीपीटी की इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में किसी सूचना स्रोत का अथवा लिंक का कोई जिक्र नहीं होता।

विशेषज्ञों का कहना है कि चैटजीपीटी के पास अपनी समझ नहीं होती, क्योंकि वह इंसान द्वारा फीड किए गए एल्गोरिथम(कलन विधि) के अनुसार चलती है,. जिसमें मानवीय संवेदनाओं का पूर्णतया अभाव है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि अभी चैटजीपीटी द्वार दी गई सूचनाएं जितनी उपयोगी हैं, उतनी ही उलझी हुई भी है। चैटजीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। इसका अर्थ यह हुआ कि चैटजीपीटी के पास 2022-23 के विषय में अभी कोई जानकारी नहीं है। हालांकि इस पक्ष पर काफी समय से काम हो रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के आधार पर माना जाए तो आने वाले समय में नौकरियां घटेंगी और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये एक कड़वा सच है। ये भी सच है कि भविष्य में बहुर सी नौकरियों के लिए इंसानों की जरूरत ही नहीं रहेगी। लेकिन हमें ये भी स्वीकार करना होगा कि क्योंकि चैटजीपीटी इंसान की तरह क्रिएटिव नहीं है, इसलिए आने वाले दिनों में जितनी नौकरियां जाएंगी, उसे कहीं ज्यादा रोजगार के नए अवसर जन्म लेंगे। हालांकी हाल ही में केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्र शेखर ने भारत में ए.आई. के कारण नौकरियां छिनने की आशंकाओं को गलत बताया। केन्द्रीय मंत्री के अनुसार, एआई कार्यकेंद्रित है और यह मानव व्यवहार की नकल करते हुए कार्यों को और अधिक बेहतर बनाता है (हिन्दुस्तान, 2023) ।

तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) वर्तमान में एक ऐसे घोटाले की जांच कर रहा है जिसमें चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया गया था, जो शायद अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, सिविल सेवा परीक्षार्थियों को चैटजीपीटी के द्वारा नकल कराई जाने का मुद्दा सामने आया है। चैटजीपीटी के द्वारा लीक हुए पृष्ठपत्रों के उत्तर ब्लूटूथ की मदद से पहुंचाए जा रहे थे(एबीपी.लाइव) । ऐसे ही द टैब समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन में 400 से अधिक छात्र परीक्षा में चैटजीपीटी के द्वारा नकल करते हुए पकड़े गए हैं।

इसके अतिरिक्त चैट जीपीटी चैटरों को तत्काल समाधान प्रदान करके उन्हें विचारशीलता से रोक रहा है। इससे छात्रों की कल्पना शक्ति और तर्क शक्ति का धीरे-धीरे ह्रास होने लगेगा। आजतक की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन्ही कारणो से बेंगलुरु के कुछ इंस्टीट्यूट्स ने चैटजीपीटी के प्रयोग पर रोक भी लगाई है। संस्थानों का मानना है कि छात्र अपने असाइनमेंट चैटजीपीटी के द्वारा पूरे कर रहे हैं, जबकी असाइनमेंट देने के पीछे उदेश्य ही मानसिक चिन्तन मनन हुआ करता था (मानसी, एम. 2023) । कांत विश्वविद्यालय, यू.के. ने अपने यहां के ऐसे 47 छात्रों की जांच की, जिन्हे असाइनमेंट पूरा करने के लिए दिया गया था कि क्या उन्होंने चैटजीपीटी का प्रयोग किया है। जांच में 22 छात्रों को दोषी पाया गया।(अमर उजाला, जुलाई,2023)। ChatGPT कुछ ही समय में पूरे शोध पत्र भी तैयार कर सकता है। अगर आप सभी को याद हो तो 11 मई 1997 में विश्व के महान शतरंज खिलाड़ी गैरी कास्पोरोव को डीप ब्लू नामक एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर ने हरा दिया था। अगर हम अपनी कल्पना को थोड़ा सा विस्तार दें और सोचें, शतरंज के नियम को जानकर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी को हरा दिया, तो सोचिए तब क्या होगा जब किसी हाईटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के पास मानव जाति के क्रमागत (अनुक्रमिक) विकास का इतिहास

आ जाएगा, जिसे हम युवाल नूह हरारी की पुस्तक सैपियंस को पढ़ कर जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैसे ये क्रमागत विकास हमने अपनी बुद्धि के उन्नत विकास के साथ पाया है। एआई पर हुए अध्ययन इस ओर भी इशारा कर रहे हैं कि ये हमारी भावनाओं के साथ भी खेल सकता हैं, इसका स्पष्ट उदाहरण स्पाइक जोन द्वारा निर्देशित फिल्म 'हर' देख कर किया जा सकता है।

चैटजीपीटी की सीमाएँ

डिजिटल नीति विशेषज्ञों की राय में, एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता, चाहे इसका इजहार या इसकी अभिव्यक्ति या लेखन इंसानों की तरह ही है, फिर भी इसकी जानकारी, गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। जरूरी है कि हर यूजर चैटजीपीटी के द्वार दी गई जानकारी को अच्छे से परख ले और चैटबोट द्वारा कही गई हर बात आंख मूंदकर ना मानी जाए। चैटजीपीटी एक नए लेखक के रूप में हमारे सामने आया है जो कहीं ना कहीं इंसानों द्वारा लेखन का अंत समय दिखा रहा है, लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि एआई से सरोबार चैटजीपीटी में कल्पना शक्ति की कमी है, क्योंकि ये मानने में हमें जरा भी देर नहीं करनी चाहिए कि कृत्रिम बुद्धि चाहे कितना भी डेटा अपने पास सुरक्षित रख ले, तब भी रहेगी तो मशीनी बुद्धि ही। यह अनुवाद तो कर सकती है, गणना भी कर सकती है, हमारे सामने तथ्यों को प्रस्तुत भी कर सकती है, लेकिन यह इंसानों की तरह कल्पना नहीं कर सकती है। चैट जीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। तात्पर्य यह है कि चैटजीपीटी को साल 2022-23 के बारे में कोई सूचना नहीं है। डिजिटल विशेषज्ञों को चैटबॉट्स के पास उपलब्ध डेटा या सूचनाओं को बढ़ाना होगा। इंडिया टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चैटजीपीटी जहां दुनिया के सबसे दिलचस्प इम्तिहानों को पास करने में सफल रहा है जिनमें, अमेरिका में कानून और डॉक्टरों की प्रैक्टिस थी। वहीँ चैटजीपीटी भारत में होने वाली संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई एडवांस) में असफल रहा (इंडिया टाइम्स,2023) । ओपन एआई के सीईओ ने आज तक में चैटजीपीटी को लेकर एक बड़ा बयान दिया था, जिसमें उन्होंने खुद ये माना था कि वो स्वयं चैटजीपीटी द्वारा जेनरेट जवाब पर पूरी तरह भरोसा नहीं करते हैं।

चैटबॉट्स को अभी भी कई बाधाओं को पार करना है। कई भाषाओं के विकल्प के साथ डिजिटल संचार पथ (पाठ) से आवाज (ध्वनि) की और बढ़ रहा है। एलेक्सा जैसे सर्च इंजन से आगे जाने के लिए चैटबॉट्स को ज्यादा मात्रा में सूचनाओं की जरूरत पड़ेगी (हिंदुस्तान, 24 फरवरी, 2023)। एआई ने जब शतरंज में इंसानों को हरा दिया था तभी ये अंदाज लग गया था कि भविष्य में एआई का कार्यक्षेत्र मानव जीवन के कार्यक्षेत्र को प्रभावित करेगा, इसीलिये क्रत्रिम बुद्धि का नियम आवश्यक है, अन्यथा ये मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

निष्कर्ष

ChatGPT एक नवाचारी तकनीक है जो मशीनों और एक दूसरे के साथ संवाद करने के तरीके में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। इसकी प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण क्षमताएं उपयोगकर्ता के प्रश्नों के लिए मानव-जैसे प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करने में सक्षम होती हैं, और इसकी मापनीयता, अनुकूलन योग्यता और कुशलता इसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए एक आदर्श उपकरण बनाती हैं। हालांकि, ChatGPT की कुछ सीमाएं हैं, जैसे इसकी दृष्टि में पक्षपात, भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी,

और असीमित ज्ञान का अभाव। लेकिन इन सब कमियों को सतर्कता से प्रशिक्षण डेटा का सावधानीपूर्वक चयन और अतिरिक्त प्रोग्रामिंग के साथ न्यूनतम किया जा सकता है। समग्र रूप से, ChatGPT ने , शिक्षा और साइबर सुरक्षा से लेकर ग्राहक सेवा और सॉफ़्टवेयर विकास तक एक विस्तृत क्षेत्र को गहरे रूप से प्रभावित किया है। इसकी क्षमता उत्पादकता, कुशलता और उपयोगकर्ता की संतुष्टि को सुधारने की है और इसके अनुप्रयोग अभी केवल खोजे जा रहे हैं। जैसे-जैसे ChatGPT आगे बढ़ेगा और खुद में सुधार करेगा,, हम आगामी वर्षों में और भी अद्भुत परिणाम देखने की उम्मीद कर सकते हैं। यह हमारे जीवन को परिवर्तित करने और सरल बनाने की क्षमता रखता है। हालांकि, इस तकनीक का उचित और नैतिक रूप से उपयोग करना जरूरी है, और यह खोजना जरूरी है कि हम पेशेवरों के रूप में इस तकनीक के साथ कैसे काम कर सकते हैं ताकि हम हमारे काम को सुधारें, बल्कि इसका दुरुपयोग न करें ना ही विद्यार्थियों को इसका दुरूपयोग करने दें।

References

1. Brady D, &Ting, W Jan 2023, Chatting about ChatGPT: How many AI and GPT impact academia and libraries? Library Hi Tech News

2. Dale, r. (2021). GPT-3 what's it good for? Natural Language Engineering,23(2),113-118.

3. Dinesh, K. (2023), Study and Analysis of Chat GPT and its Impact on different fields of study,International Journal of Innovative Science and Research Technology, Vol 8,Issue3,

4. Kirmani, A.R. (2022). Artificial intelligence enabled science poetry.ACS Energy letters, 8,574-576

5. Liu,Xet al. (2021).GPT understands, too arXiv.https://www.researchgate.net/deref/https%3A%2F%2Fdoi.org%2F10.48550%2FarXiv.2103.10385

6. Wamba, S. et al (2021). Are we preparing for a good AI society? A bibliometric review and research agenda. Technological Forecasting and Social Change, 164, article 120482

7. Technology, aajtak in,09 June2023, updated 11:44 IST

8. Technology, aajtak.in,08 June, updated 18:37 IST

9. Hindipurni,17 May,2023doi: https://doi.org/10.1038/d41586-023-02218-z

10. http://www.livehindustan.com/gadgets/story-chatgpt-traffic-and-downloads-decline-for-the-first-time-since-launch-8419686.html

11. http://m.timesofindia.com/articleshow/97431003.cms?utm_source=contentofinterest&utm_medium=text&utm_

12. https://bit.ly/HT_Download

13. https://www.livemint.com/technology/tech-news/openai-keen-on-supporting-startups-education-in-india-11686243449285.html

14. https://www.linkedin.com/posts/joe-lumsden-264a6317b_chatgpt-ai-and-the-future-of-education-activity-7054261212879994882-qeMf

15. https://www.hindustantimes.com/india-news/evening-brief-union-min-on-chatgpt-founders-hopeless-remark-on-india-building-ai-models-and-all-the-latest-news-101686568773631.html

16. https://indianexpress.com/article/education/dont-ban-chatgpt-encourage-its-use-in-classrooms-experts-8450779/

17. https://timesofindia.indiatimes.com/education/news/what-is-chatgpt-and-why-schools-want-to-ban-it/articleshow/97431003.cms

18. https://www.abplive.com/technology/chatgpt-used-to-cheat-in-state-civil-services-exam-accused-allegedly-earned-rs-more-than-1-crore-from-candidates-2420642

19. https://navbharattimes.indiatimes.com/india/chatgpt-is-not-that-smart-ai-bot-clears-big-foreign-exams-stuck-in-india-jee/articleshow/99470090.cms

20. https://www.aajtak.in/education/news/story/advantages-and-disadvantages-of-chatgpt-in-education-sector-iit-delhi-director-tedu-1647487-2023-03-02

21. https://www.livehindustan.com/gadgets/story-chatgpt-traffic-and-downloads-decline-for-the-first-time-since-launch-8419686.html

22. https://www.amarujala.com/technology/tech-diary/over-400-students-found-cheating-in-exam-with-chatgpt-university-starts-investigation-2023-07-07